भारत सरकार

रक्षा मंत्रालय

रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1569

27 नवंबर, 2019 को उत्तर के लिए

डीआरडीओ बजट

1569. श्री हँसमुखभाई सोमभाई पटेल :

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने गत तीन वर्ष के दौरान रक्षा अनुसंधान विकास संगठन (डीआरडीओ) के बजट में वृद्धि की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) डीआरडीओ द्वारा किए गए नए कार्यकलापों का ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री श्रीपाद नाईक)

(क) से (ख): विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के लिए विभिन्न बजटीय स्तरों पर आवंटन निम्नानुसार है:-

(करोड़ रुपए में)

वर्ष	**निधियों का आवंटन (करोड़ रुपए में)**
2016-17	13501.00
2017-18	15399.25
2018-19	17121.99
2019-20 (बजट अनुमान)	19021.02

उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट है कि सरकार ने विगत तीन वर्षों के दौरान निरपेक्ष रूप में डीआरडोओ का बजट बढ़ा दिया है । इसके अलावा, सरकार, आवश्यकता आधार पर, अतिरिक्त निधियां उपलब्ध कराने के लिए सदैव सहयोगी रही है ।

(ग): डीआरडीओ ने सशस्त्र बलों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नवोन्मेष, आउट ऑफ बाक्स हल प्रस्तुत करने के लिए 5 युवा वैज्ञानिक प्रयोगशालाएं स्थापित की हैं ।

- आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, बेंगलुरू,
- एसीमेट्रिक वारफेयर टैक्नोलॉजी, कोलकाता,
- काग्निटिव सेंसर टैक्नोलॉजी, चेन्नई,
- स्मार्ट मैटीरियल्स, हैदराबाद
- क्वांटम टैक्नोलॉजी, मुंबई

विगत 3 वर्षों (01 जनवरी, 2017 - आज की तारीख तक) 26,029 करोड़ रुपए की लागत से 29 मुख्य परियोजनाएं (> 75 करोड़ रु.) स्वीकृत की गई हैं । इनमें से कुछ परियोजनाएं निम्नलिखित हैं : पनडुब्बी लांच्ड स्थापित क्रूज मिसाइल (एसएलसीएम), भारतीय सेना के लिए मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एमआरएसएएम), वर्टिकल लांच - शार्ट रेंज की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (वीएल-एसआरएसएएम) आधारित वेपन प्रणाली, लांग रेज एंटी-शिप मिसाइल, नेवल एंटी-शिप मिसाइल - शॉट रेंज (एनएएसएम-एसआर), गाइडेड पिनाका रॉकेट प्रणाली, लॉंग रेंज ग्लाइड बम, एडवांस्ड एसएटीसीओएम टैक्नॉलाजीज, 1500 एचपी ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन, लैंड सिस्टम्स के लिए टैक्टिकल रेडियो, डिजिटल एक्टिव फेज्ड एरे रडार, लॉंग रेंज रडार ।

*****